

प्रेषक,

एन० रवि शंकर,  
मुख्य सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1-समस्त प्रमुख सचिव/सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

2-मण्डलायुक्त,  
गढ़वाल/कुमायूं मण्डल,  
पौड़ी/नैनीताल।

3-समस्त जिलाधिकारी,  
उत्तराखण्ड।

4-समस्त विभागाध्यक्ष,  
उत्तराखण्ड।

5-प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तराखण्ड पूर्व सैनिक कल्याण निगम लि०  
(उपनल), देहरादून।

सैनिक कल्याण अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 16 फरवरी, 2015

विषय:- विभिन्न विभागों में उत्तराखण्ड पूर्व सैनिक कल्याण निगम लि० (उपनल) के माध्यम से आउटसोर्सिंग से नियोजित कार्मिकों के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-1289/XVII-5/2014-09(26)/14टी.सी., दिनांक 31.12.2014 को तत्काल प्रभाव से अतिक्रमित करते हुए शासन द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त लिये गये निर्णय के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है-कि पूर्व में विभिन्न विभागों में उत्तराखण्ड पूर्व सैनिक कल्याण निगम लि० (उपनल) के माध्यम से आउटसोर्सिंग से नियोजित कार्मिकों, जिन्हें हटा दिया गया है और यदि वे कदाचार के दोषी नहीं हैं, तो उन्हें पुनः सेवा में लिये जाने हेतु नियमानुसार अग्रेत्तर कार्यवाही करने का कष्ट करें।

3- उक्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

भवदीय,

(एन० रवि शंकर)  
मुख्य सचिव।

संख्या: 158 (1)/XVII-5/2015, तददिनांकित।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 2- निजी सचिव, मा० मंत्री, सैनिक कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
- 3- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 5- राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,  
(आर० के सुधांशु)  
सचिव।